स्वर्गदूत

"स्वर्गदूत" शब्द "स्वर्ग" और "दूत" दो शब्दों से मिलकर बना है जिसका अर्थ होता है "स्वर्ग के संदेशवाहक"। बाइबल प्रायः उन्हीं कार्यों के विषय में बताती है जो स्वर्गदूत करते हैं अर्थात परमेश्वर के संदेशों को मनुष्यों तक पहुँचाना। बाइबल में स्वर्गदूतों के विवरण उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक पाये जाते हैं, जो निम्नानुसार देखे जा सकते हैं।

(१) स्वर्गदूत व्यक्तिगत रूप से मिलने पर संदेश अथवा आज्ञायें देते हैं।

सन्दर्भ : उत्पत्ति १६:७-१२, गिनती २२:२२-२५, लूका १:११-२०, २६-३८

(२) स्वर्गदूत लोगों के स्वप्नों में संदेश अथवा आज्ञायें देते हैं।

सन्दर्भ : उत्पत्ति ३१:१०-१३, मत्ती १:२०,२१

(३) स्वर्गदूत प्रायः दर्शनों में उपस्थित रहते हैं। स्वर्गदूत मनुष्यों को दर्शन पाने में अगुआई कर सकते और वे दर्शन का अर्थ भी बता सकते हैं।

सन्दर्भ : जकर्याह १:७-१७, ५:५-११, प्रेरितों के काम १०:३-२३,

प्रकाशितवाक्य १०:१-११

(४) स्वर्गदूत, परमेश्वर के प्रतिनिधियों के रूप में कार्य करते हुए परमेश्वर की इच्छा को पूरा करते हैं। वे परमेश्वर के लोगों की रक्षा करते हैं।

सन्दर्भ : निर्गमन १४:१९, २३:२३, भजनसंहिता ३४:७, दानिएल ६:२२

(५) स्वर्गदूत परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने वालों को दण्डित करते हैं।

सन्दर्भ : २ शमूएल २४:११-१७

(६) स्वर्गदूत परमेश्वर की प्रजा के शत्रुओं को दण्ड देते हैं तथा दूसरी बुरी शक्तियों को भी दण्ड देते हैं।

सन्दर्भ : निर्गमन १२:२३,२९,३० यशायाह ३७:३६, मत्ती १३:४९,५०

प्रकाशितवाक्य १४:१४-२०, २०:१-३

(७) स्वर्गदूतों को परमेश्वर की सभा का भाग भी कहा जाता है जो स्वर्ग में उसके चारों ओर रहते हैं।

सन्दर्भ : अय्यूब १:६, जकर्याह ३:७

(८) जंगल में शैतान द्वारा प्रभु यीशु की परीक्षा के बाद स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करने लगे।

सन्दर्भ : मत्ती ४:११

(९) एक स्वर्गदूत ने यीशु की कब्र पर लगाया गया भारी पत्थर हटा दिया था।

सन्दर्भ : मत्ती २८:२

कलाकार अक्सर चित्रों में स्वर्गदूतों को लम्बे वस्त्र पहने पंखों वाले प्राणियों के रूप में दर्शाते हैं। परन्तु बाइबल में उन्हें कई रूपों में प्रगट होते हुए दर्शाया गया है। जैसे -

(१०) मूसा ने जलती हुई झाड़ी में स्वर्गदूत को देखा था - निर्गमन ३:२

(११) याकूब ने देखा कि स्वर्गदूत, स्वर्ग और पृथ्वी के बीच सीढ़ी पर चढ़ उतर रहे हैं -
सन्दर्भ : उत्पत्ति २८:१२

(१२) यहोवा के दूत के साथ याकूब ने मल्लयुद्ध किया था।
सन्दर्भ : उत्पत्ति ३२: २४, होशे १२:४।

(१३) तीन व्यक्तियों मे से दो, जिनको अब्राहम ने भोजन कराया था तथा जिन्होंने बताया था कि उसके एक पुत्र उत्पन्न होगा, सम्भवतः स्वर्गदूत थे।
सन्दर्भ : उत्पत्ति १८:१-१०

(१२) जो प्राणी शद्रक मेशक अबेदनगु को बचाने के लिये आग की भट्ठी में आया था उसका रूप "ईश्वर के पुत्र के सदृश" बताया गया है, वह भी सम्भवतः एक स्वर्गदूत ही था।
सन्दर्भ : दानिएल ३:२१-२५

(१३) मन्दिर के परमपवित्र स्थान में पंखों वाले रक्षक (साराप) भी सम्भवतः एक प्रकार के स्वर्गदूत रहे होंगे।
सन्दर्भ : यशायाह ६:१-७

(१३) जिस स्वर्गदूत ने जेल से निकलने में पतरस की सहायता की थी वह तीव्र प्रकाश में प्रगट हुआ और पतरस को जेल के रक्षकों की दृष्टि में ओझल कर दिया था।
सन्दर्भ : प्रेरितों के काम १२:६-१०

स्वर्गदूतों के नाम

बाइबल में कुछ स्वर्गदूतों के नाम दिये गए हैं।

(१) जिब्राएल - ये दानिय्येल तथा मरियम के सम्मुख प्रगट हुआ था।
सन्दर्भ : दानिएल ९:२१, लूका १:२६-२८

(२) मीकाएल - इसे परमेश्वर का सबसे शक्तिशाली रक्षक स्वर्गदूत कहा गया है।
सन्दर्भ : दानिएल १०:१३

(३) शैतान - सम्भवतः शैतान भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों की सभा का भाग रहा था। इसे लूसीफर और इबलीस के नाम से भी जाना जाता है।
सन्दर्भ : अय्यूब १:६, जकर्याह ३:१, यशायाह १४:१२, मत्ती ४:१